आकाशवाणी केन्द्र शिमला
16.12.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1945बजे

मुख्य समाचार

- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा– बागवानी विकास के लिए 5 सौ करोड़ रूपये की परियोजना तैयार करने पर विचार कर रही सरकार।
- विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले कल होगी सर्वदलीय बैठक– 18 दिसंबर से धर्मशाला में शुरू होगा सत्र।
- विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार को गैस्ट टीचर पॉलिसी वापिस लेने की दी सलाह।
- प्रदेश के मैदानी इलाकों में घने कोहरे से बढ़ी मुश्किलें– प्रशासन ने जारी की एडवाइज़री।

सीएम–बैठक

राज्य सरकार सेब बागवानी के कायाकल्प के लिए करीब 5 सौ करोड़ रूपये की समर्पित परियोजना तैयार करने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू ने आज शिमला में एक बैठक में बताया कि इस परियोजना की अवधि 5 वर्ष की होगी। उन्होंने कहा कि सरकार उच्च घनत्व पौधरोपण को बढ़ावा देकर बागवानों की आय में वृद्धि का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों और बागवानों को उत्पादों के उचित दाम सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा ज़िला स्तर पर आधुनिक कोल्ड स्टोर विकसित करने की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। बाद में, मुख्यमंत्री ने राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के कार्यों की भी समीक्षा की और कहा कि सरकार बोर्ड की वित्तीय स्थिति को सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी जनवरी से प्रदेश सरकार के ग्रेड–वन और ग्रेड–टू अधिकारियों व कर्मचारियों को विद्युत सब्सिडी नहीं दी जाएगी।

पंचायत पुरस्कार

प्रदेश की दो पंचायतों को विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्यों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाज़ा गया है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने हाल ही में नई दिल्ली में हुए एक समारोह में इन पंचायतों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इनमें शिमला ज़िले की थानाधार और हमीरपुर ज़िले की सिकांदर पंचायत शामिल है। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता.....

शिमला ज़िले की थानाधार पंचायत ने सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में शत–प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है और इसके लिए पंचायत को 75 लाख रूपए के पुरस्कार से नवाज़ा गया है। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए पंचायत को नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत के पुरस्कार के रूप में 50 लाख रूपए की राशि मिली है। पंचायत प्रधान संदीप शरोल ने कहा कि ये पुरस्कार मिलना पूरे क्षेत्र व प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उधर, हमीरपुर ज़िले में बमसन ब्लॉक की सिकांदर पंचायत ने जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है और इस पंचायत को जल पर्याप्त पंचायत श्रेणी में दूसरे पुरस्कार के रूप में 75 लाख रूपए की राशि विकास कार्यों के लिए मिली है। पंचायत प्रधान पवन कुमार ने पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई। थानाधार व सिकांदर पंचायत ने अपने बेहतर कार्यों के दम पर एक मिसाल कायम की है और प्रदेश की अन्य पंचायतों को भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

रितेश कपूर, आकाशवाणी समाचार शिमला।

सत्र तैयारियां

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से धर्मशाला के समीप तपोवन में शुरू होने जा रहा है, जो 21 दिसंबर तक चलेगा। सत्र के सुचारू संचालन में सहयोग के लिए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सत्र से पहले कल धर्मशाला में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बीच, विधानसभा अध्यक्ष ने आज तपोवन विधानसभा परिसर में शीतकालीन सत्र की तैयारियों का जायजा लिया।

जयराम ठाकुर

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने प्रदेश सरकार को गेस्ट टीचर पॉलिसी को वापस लेने की सलाह दी है। एक बयान में उन्होंने कहा कि सरकार की ये पॉलिसी न केवल युवाओं बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी घातक है। जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही इस पॉलिसी का गुणगान कर रहे हैं लेकिन सच्चाई ये है कि ये पॉलिसी कांग्रेस सरकार द्वारा अब तक उठाए गए सभी जनविरोधी कदमों में सबसे बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि केवल दो वर्ष के कार्यकाल में ही प्रदेश के लोग विभिन्न मुद्दों को लेकर सड़कों पर है और ये हालात हिमाचल के लिए सही नहीं है।

प्रदर्शन

दूसरी ओर, राज्य सरकार की गेस्ट टीचर पॉलिसी के विरोध में शिक्षित बेरोज़गारों ने आज शिमला में प्रदर्शन कर इसे वापस लेने की मांग की। युवाओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने एक लाख नौकरियां देने का वायदा कर युवाओं से वादाखिलाफी की है। वहीं, पॉलिसी के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने मंडी में प्रदर्शन किया।

ओपी शर्मा

भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में टैगोर फैलो और पहाड़ी भाषा की विभिन्न लिपियों पर शोध कार्य कर रहे प्रोफैसर ओम प्रकाश शर्मा ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश की पहाड़ी भाषा विभिन्न विषयों को समायोजित करती हैं। प्रोफैसर ओम प्रकाश शर्मा ने आकाशवाणी से बातचीत में कहा कि पांच लिपियों में हिमाचल प्रदेश की पांडुलिपियों से संबंधित साहित्य उपलब्ध है। प्रोफैसर ओम प्रकाश शर्मा के अनुसार हमारी पांडुलिपियां पहाड़ी भाषा में हैं, जिसमें हिमाचल के इतिहास का उल्लेख किया गया है।

श्रद्धांजलि

1971 के भारत–पाक युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की याद में आज विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश में भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंडी में एक कार्यक्रम में ज़िला प्रशासन व विभिन्न विभागों ने शहीदों को याद किया। समारोह में शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया। दूसरी ओर, धर्मशाला के राज्य युद्ध स्मारक में भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में नौवीं कोर योल के मेजर जनरल अनिल चंदेल ने विजय दिवस के अवसर पर युवाओं से देश के वीर जवानों से प्रेरणा लेने का आहवान् किया और कहा कि युवाओं को अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में लगाने की ज़रूरत है।

मौसम

प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से मौसम साफ बना हुआ है। इसके बावजूद लोगों को कड़ाके की ठण्ड का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में कई प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया जा रहा है। वहीं, मैदानी इलाकों में भी घने कोहरे के चलते शीतलहर बढ़ गई है। इसे देखते हुए ऊना ज़िला प्रशासन ने लोगों से स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर ज़रूरी सावधानियां बरतने का आग्रह किया है। ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष व उपायुक्त जतिन लाल के अनुसार तापमान में लगातार गिरावट के चलते आने वाले दिनों में शीतलहर और धुंध का असर और बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने आगामी छह दिनों तक मौसम के साफ बने रहने की संभावना जताई है।